13.41 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Sixtieth Report

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH) : I beg to move the following :—

"That this House do agree with the Sixtieth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 9th April, 1984".

MR. DEPUTY-SPEAKER : The question is :

"That this House do agree with the Sixtieth Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 9th April, 1984".

The motion was adopted.

13.42 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

MR. DEPUTY-SPEAKER : Shri Bheekhabhai.

(i) Damage done due to Sudden Release of Water in Canals fed by Mahi River

श्री भीखा भाई (बांसवाड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, माही नदी बागड़ प्रदेश की एक बड़ी नदी है। महानदी पर गुजरात ने कडाणा में और राजस्थान ने गुजरात की साझेदारी में एक बहुउद्देश्यीय योजना बनाई है। माही बागसागर के कंट्रोल के लिए केन्द्रीय सरकार ने माही कंट्रोल बोर्ड बनाया है जिसके अध्यक्ष केन्द्रीय सिंचाई मंत्री है। माही नदी का पानी कुछ दिन पुर्व कागदी पिक वियर के माध्यम से छोड़ा गया था। कई जगह नहरों एवं उप नहरों का पानी खेतों की कठिनाई के कारण बांध का पानी नदी में डाला जाता रहा है। इस प्रकार तीन बार माही नदी में पानी छोड़ा गया। परंतु लोगों को आगामी सूचना या आगाही नहीं हुई। जब-जब पानी छोड़ा गया।

विगत हफ्ते के अन्त में मेरे दौरे पर जाने पर वह लोमहर्षक घटनाएं मेरे समक्ष आई हैं।

कुछ आदिवासी लोग मेरे गांव चिबूड़ा से सामने ग्राम खोडन नदी पार होकर गए थे। उसमें कुछ लोग तो वापिस आ गए। उसमें दो तीन व्यक्ति घर जाने के लिए वापिस लौट रहे थे कि एकाएक एकदम नदी के पानी का स्तर बढ़ गया और उनका नदी पार करना कठिन हो गया। वैसे नदी में आम तौर पर आने-जाने में कोई कठिनाई नहीं होती है।

पानी के अचानक भयावह बहाव से न मालूम कितने आदमी बह गए। ठीक पता नहीं लग सका है परंतु तीन आदमियों के सबंध में यह पुख्ता सूचना है कि इन मृतकों के शवों का पता नहीं लग पाया है।

इसके पूर्व माही नदी के पानी के बहाव से कीर जाति द्वारा उगाई गई ककड़ियां भी नष्ट हो गई और इस प्रकार जन हानि के साथ मान हानि भी हुई है।

इस मामले में केन्द्रीय सरकार का हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह अंतर्राज्यीय परियोजना है जिसके अध्यक्ष केन्द्रीय सिंचाई मंत्री हैं। मृतकों के परिवारों का एवं कीर जाति के कृषकों की खेती को नुकसान होने के कारण भरपूर मुआवजा प्रदान करें।